

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट बारां (राज.)
पीठासीन अधिकारी श्री सुदर्शन सिंह तोमर (आर.ए.एस.)



प्रकरण संख्या एफ.एस.एस.एक्ट :- 33/2017

बउनवान

राज० सरकार जयें :- श्री राजेश कुमार रामचन्दानी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां

(प्रार्थी)

बनाम

श्री योगेश गर्ग पुत्र चन्द्रमोहन गर्ग जाति अग्रवाल निवासी चौमुखा बाजार बारां (विक्रेता व मालिक) मैसर्स वाई०के० एन्टरप्राइजेज हॉस्पिटल रोड पीली कोठी बारां (राज.)

(अप्रार्थी)

जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2 (11) एफएसएस एक्ट 2006 एवं विनियम 2011

उपस्थिति :- 1- श्री राजेश रामचन्दानी खा.सु.अ. (प्रार्थी स्वयं)
2- श्री महेश प्रकाश गौतम अभिभाषक (अप्रार्थी)

निर्णय दिनांक 22.05.2019

प्रकरण श्री राजेश कुमार रामचन्दानी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां द्वारा इस आशय का पेश किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 01.03.2017 को मैसर्स वाई०के० एन्टरप्राइजेज हॉस्पिटल रोड पीली कोठी बारां पर पहुंचा। वहाँ पर श्री योगेश गर्ग पुत्र चन्द्रमोहन गर्ग (मौके पर मौजूद मालिक एवं विक्रेता) की हैसियत से उपस्थित थे, कि उपस्थिति में निरीक्षण किया।

मैं राजेश कुमार रामचन्दानी दिनांक 01.03.2017 को कार्या. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बारां में खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य सम्पादित कर रहा था और मुझे राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना नोटिफिकेशन क्रमांक/एच/पीएफए/नोटिफिकेशन/2011/440 दिनांक 25.7.2011 के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। श्रीमान् आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राज. जयपुर के आदेश दिनांक 26.10.2014 के अनुसार मुझे कार्य क्षेत्र जिला बारां आवंटित किया गया है और जिला बारां के अन्तर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र मेरे कार्य क्षेत्र में आते हैं।

यह कि आवेदक द्वारा निरीक्षण किया जहाँ पर खाद्य पदार्थ बेसन (राजभोग) जो लगभग 25 कि०ग्रा० पैक बैग में विक्रय हेतु रखा हुआ था। मैंने अपना परिचय पत्र दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया। विक्रेता से मौके पर खाद्य पदार्थ बेसन (राजभोग) में मिलावटी व मिथ्याछाप का शक होने पर, विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म नं० 5ए की प्रति स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली। जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी बारां द्वारा खाद्य पदार्थ बेसन (राजभोग) विक्रेता से 2 कि०ग्रा० वास्ते नमूना जांच हेतु खरीदा, जिसकी कीमत श्री योगेश गर्ग पुत्र चन्द्रमोहन गर्ग को 130/- रूपये नगद देकर रसीद प्राप्त की, जिस पर विक्रेता के हस्ताक्षर हैं तथा उपस्थित गवाहान श्री भरत गौतम व श्री जिगर औझा के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं आवेदक ने हस्ताक्षर किये। जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक ने खरीदशुदा खाद्य पदार्थ **बेसन (राजभोग)** 2 कि०ग्रा० को चार नमूना भागों में विभक्त कर प्लास्टिक के डिब्बों में भरकर लेबल तैयार कर प्रत्येक नमूने भाग पर चिपकाये और लेबलों पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) के कोड एवं क्रमांक एएच-696 दर्ज किया प्रत्येक लेबल पर स्वयं ने हस्ताक्षर किये एवं विक्रेता तथा गवाहन के हस्ताक्षर कराये। चारों नमूना भागों को अलग-अलग कागज में लपेट कर प्रत्येक भाग पर डी.ओ. बारां की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप नं. ए.एच.-696 नियमानुसार चारों नमूना भागों पर नीचे से उपर तक फेविकोल से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपड़ी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर विक्रेता एवं गवाहों के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आवे एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाह के हस्ताक्षर कराकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर तथा मेने भी नमूना भागों पर हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने जापते में लिया।

आवेदक ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढकर सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा, जिसे श्री योगेश गर्ग पुत्र चन्द्रमोहन गर्ग ने भी पढकर समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये।

आवेदक ने फार्म नं. 6 की प्रतियाँ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म सं० 6 की प्रति के आउटर कवर में में सीलबन्द कर सील मोहर मर एवं एक प्रति फार्म नं० 6 की अलग से सीलड लिफाफे में स्वयं द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा को जमा करवाकर फार्म की पुष्ट पर रसीद प्राप्त की गई जो आवेदन के साथ संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म सं० 6 की दो प्रतियाँ के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग मय फार्म नं० 6 की प्रति के अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां के पत्र क्रमांक/एफएसएसए/2017/84 दिनांक 20.3.2017 से ज्ञात हुआ कि खाद्य एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 64/FSSA/Kota/Act/2017/64 दिनांक 03.03.2017 के अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जांच विक्रय किया गया, खाद्य पदार्थ **बेसन (राजभोग)** खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व विनियम 2011 की धारा 3(1)(ZX) के तहत **अवमानक (Sub Standard)** होना पाया गया। रिपोर्ट आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण में अनुसंधान हेतु अप्रार्थी से फर्म का खाद्य अनुज्ञा पत्र एवं क्रय बिल की सूचना चाही गई। अप्रार्थी द्वारा कोई प्रतिउत्तर कार्यालय में पेश नहीं किया गया। तत्पश्चात कार्यालय रिकार्ड से वेट-3, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं खाद्य अनुज्ञा पत्र प्राप्त किया गया।

इस पर प्रकरण दिनांक 01.11.2017 को दर्ज रजिस्टर किया जाकर, अप्रार्थी को जर्ज सम्मन से तलब किया गया। अप्रार्थी द्वारा जर्ज अभिभाषक उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात प्रकरण में उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई।

दौराने बहस प्रार्थी (खाद्य सुरक्षा अधिकारी) ने परिवाद में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि अप्रार्थी द्वारा जिस खाद्य पदार्थ **बेसन (राजभोग)** का विक्रय किया जा रहा है, वह जाँच में **अवमानक (Sub Standard)** होना पाया गया है। अप्रार्थी का उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 51 में निर्धारित है।

अप्रार्थी के अभिभाषक द्वारा दौराने बहस कहा गया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया परिवाद असत्य, निराधार, त्रुटिपूर्ण एवं न्याय की दृष्टि से विश्वास किए जाने योग्य नहीं है। उक्त प्रकरण में अभियोजन स्वीकृति बिना मस्तिष्क प्रयोग किए, मिथ्या जांच रिपोर्ट के आधार पर जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सेम्पल लिए जाने से पूर्व प्रक्रिया का पूर्ण पालन नहीं कर आज्ञापक प्रावधानों की अवहेलना की है तथा अप्रार्थी को चौथा भाग नमूने का भी प्रेषित नहीं किया गया है। जांच रिपोर्ट में धारा 3(1)(ZX) का उल्लंघन बताया गया है जिसका आधार बाहरी वसा की मौजूदगी बताई है किन्तु उसकी मात्रा को कोई कथन नहीं है। जांच प्रयोगशाला एन.बी.सी.एल. से अथवा सक्षम अधिकारी द्वारा एक्रीडिएटेड एवं मान्यता प्राप्त नहीं होने से जांच रिपोर्ट पठनीय नहीं है। धारा 43 एफ.एस.एस. एक्ट के विपरित है तथा जांच रिपोर्ट में अवमानक (Sub Standard) होने का कोई आधार प्रकरण में नहीं है। फार्म नं0 6 की प्रमाणित प्रति उत्तरदाता द्वारा न्यायालय से प्राप्त की गई है जिससे स्पष्ट है कि कोई सील इम्प्रेसन नमूने पर लगाई जाने वाली सील का दर्ज नहीं है इस कारण सील इंटेक्ट पाए जाने का कथन जांच रिपोर्ट में मिथ्या है। अतः जवाब पेश कर निवेदन है कि अप्रार्थी के विरुद्ध पेश की गई कार्यवाही निरस्त फरमायी जावे।

इसके विपरीत प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा कहा गया कि अप्रार्थी को खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 64/FSSA/Kota/Act/2017/64 दिनांक 03.03.2017 के बाद खाद्य पदार्थ **बेसन (राजभोग)** की पुनः जांच करवाये जाने हेतु, जर्ने पत्र सूचित किया जाकर, एक माह का समय दिया गया था। किन्तु उसके द्वारा पुनः जांच नहीं करवायी गई है। है। अतः अप्रार्थी को भारी से भारी जुर्माने से दण्डित किया जावे।

हमने प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं अप्रार्थी की उभयपक्ष की बहस सुनी और उस पर मनन किया व पत्रावली का आद्योपान्त अवलोकन किया गया। अप्रार्थी के पास से वास्ते नमूना जांच क्रय किया गया, खाद्य पदार्थ **बेसन (राजभोग)** खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट में **अवमानक (Sub Standard)** होना पाया गया है। उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (11) के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 51 के तहत, अप्रार्थी को 10,000/- रुपये अक्षरे दस हजार रुपये मात्र के आर्थिक जुर्माने के दण्ड से दण्डित किया जाता है। अप्रार्थी उक्त राशि जर्ने चालान बैंक में निर्धारित मद 0210 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, 04 लोक स्वास्थ्य, 800 अन्य प्राप्तियां, 03 खाद्य सुरक्षा कानून के अन्तर्गत अनुज्ञा पत्र शुल्क आदि में जमा करवाकर, चालान की प्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत करे।

निर्णय आज दिनांक 22.05.2019 को हमारे द्वारा लिखाया जाकर, खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(सुदर्शन सिंह तोमर)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अति0 जिला मजिस्ट्रेट, बारां (राज.)